हज तीर्थयात्री

23. श्री हुकमचन्द कछवाय :
श्री राम सिंह आयरवाल :

क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले वर्ष 65,500 मुसलमानों को हज की तीर्थ-यात्रा पर जाने की अनुमति दी गई थी ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार ने कितनी विदेशी मुद्रा खर्च की ;

(ग) क्या विदेशी मुद्रा के वर्तमान संकट को देखते हुए खर्च की गई विदेशी मुद्रा न्यायोचित थी ; और

(घ) यदि नहीं, तो ऐसे मामलों में विदेशी मुद्रा को बड़ी राशि के खर्च किये जाने को रोकने के लिये सरकार का विचार क्या कार्यवाही करने का है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री मु० क० चागला) :

(क) पिछली हज यात्रा के लिए भारत से 15,530 व्यक्ति गए थे ।

(ख) 2,39,40,000 रुपए ।

(ग) और (घ). पिछली हज यात्रा के लिए विदेशी मुद्रा खर्च की सीमा नियत करते समय सरकार ने विदेश मुद्रा स्थिति को पूरी तरह ध्यान में रखा था ।

सेवा मुक्त होने पर गैर-कमीशन प्राप्त सैनिक अधिकारियों को असैनिक विभागों में लगाना

24. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिंह आयरवाल :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि एक गैर-कमीशन प्राप्त अधिकारी को जब वह एक सिविल विभाग में सेवा प्राप्त करता है तो उसके पद के समान पद की पेशकश नहीं की जाती है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि सेवा से उसकी उन्मुक्ति के तुरन्त पश्चात् उसको सिविल विभाग में सेवा की पेशकश नहीं दी जाती है ;

(ग) क्या एक भूतपूर्व सैनिक को नियोजन के मामले में सर्वोच्च प्राथमिकता देने और उसके लिये स्थान रक्षित करने के लिये सरकार ने कोई व्यवस्था की है ;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) तथा (ख). कमीशन प्राप्त अफसरों को छोड़ कर व्यक्तियों को सेवा से विमुक्ति पर, अगर वह कामदिलाऊ कार्यालयों में रजिस्टर्ड हों, उन्हें सूचित की गई तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के रिक्त स्थानों में उपयुक्त, नियुक्तियों की पेशकश की जाती है, इसमें उनकी अर्हताओं और अनुभव का पूरा ध्यान रखा जाता है । सेवा से विमुक्ति और किसी असैनिक विभाग में पुनर्नियुक्ति के बीच अवधि से छुटकारा पाना संभव नहीं है ।

(ग) से (ङ). काम पर लगाने वालों द्वारा सूचित किए गए रिक्त स्थानों